Paper-IV Teaching of Sanskrit

Modal Question (2015-17)

(1) संस्कृत भाषा में सम्पूर्ण भारत को एकता सम्पन्न बनाने का तत्व विराजमान है। इस कथन की युक्ति-युक्त विवेचना करें।

(2) काव्य शिक्षण की विभिन्न विधियों की चर्चा करते हुए किसी एक विधि का वर्णन करें।

(3) व्याकरण शिक्षण की कौन-कौन सी विधियाँ हैं उसकी विवेचना करें।

(4) संस्कृत भाषा शिक्षण में श्रव्य-दृश्य सामग्री के महत्व की विवेचना करें।

(5) संस्कृत शिक्षण में पाठ्य-पुस्तक के महत्व पर प्रकाश डालें।

(6) मूल्यांकन से क्या समझते हैं? मूल्यांकन का महत्व बतलाते हुए उसकी विभिन्न विधियाँ बताइए।

(7) वार्तालाप से क्या तात्पर्य है? विद्यालयी स्तर पर विद्यार्थी में मौखिक वार्तालाप की क्षमता विकसित करने हेतु अपने सुझाव प्रस्तुत कीजिए।

(8) एक सफल संस्कृत शिक्षक के गुणों की विवेचना करें।

(9) त्रिभाषा सूत्र के अन्तर्गत संस्कृत का क्या स्थान है? उससे आप कहाँ तक सहमत हैं तर्कपूर्ण विवेचना करें।

(10) संस्कृत शिक्षण में नाटक शिक्षण के महत्व पर प्रकाश डालें।

(11) संस्कृत शिक्षण की पाठशाला प्रणाली की क्या विशेषता है? आजकल वह लोकप्रिय क्यों नहीं है? विवेचना करें।

(12) संस्कृत को पाठ्यक्रम में रखने के संबंध में विभिन्न विचारकों की राय से आप कहाँ तक सहमत हैं? स्पष्ट करें।

(13) संस्कृत में अनुवाद शिक्षण के लिए पहले कैसी पृष्ठ-भूमि आवश्यक है? अनुवाद शिक्षण का प्रारम्भिक स्वरूप बतलाइए।

(14) संस्कृत शिक्षण में वर्तनी का क्या महत्व है? शुद्ध वर्तनी के शिक्षण के लिए आप क्या प्रयास करेंगे।

(15) लेखन के प्रकारों की विवेचना करते हुए श्रुतलेख और सुलेख का सविस्तार वर्णन करें।

(16) कक्षा अष्टम का एक पाठ योजना बनाए।

(17) संस्कृत भाषा शिक्षण को रुचिकर एवं प्रभावी बनाने के कौन-कौन से उपाय हैं?

(18) सूक्ष्म शिक्षण का अर्थ स्पष्ट करते हुए सूक्ष्म-शिक्षण की विशेषताएँ बतलाइए।

(19) साहित्य शिक्षण की पारम्परिक एवं आधुनिक विधियों का समीक्षात्मक मूल्यांकन करें।